हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 13 जनवरी 2026

11 प्रत्येक गांव तक पहुंचेगा पीएम सूर्य घर योजना का...

12 पार्किंग होने के बावजूद भी सड़क पर खड़ा कर देते हैं...

खबर संक्षेप

बुढ़ापा पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग

नारनौल। जजपा के जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने सरकार से बुढ़ापा पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग की है। सरकार की ओर से अब तक पेंशन बढ़ोतरी को लेकर कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है, जिससे प्रदेश के लाखों बुजुर्ग लाभार्थियों में निराशा बढ़ती जा रही है। विजय छिलरो ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके अनुरूप बुढ़ापा पेंशन में वृद्धि नहीं होने से बुजुर्गों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि मकर संक्रांति के अवसर पर बुढ़ापा पेंशन में कम से कम 500 रुपये की बढ़ोतरी की जाए।

यदुवंशी ग्रुप का स्थापना दिवस आज

नारनौल। यदुवंशी ग्रुप का स्थापना दिवस एवं मां लोढ़ी देवी का 100वां जन्मदिन मां लोढ़ी देवी शिक्षा निकेतन सोहली में 13 जनवरी को मनाया जाएगा। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के विभिन्न विद्यालयों के विधार्थियों की ओर से रंगारंग कार्यकर्मो का आयोजन किया जाएगा। वहीं 14 जनवरी को यदुवंशी ग्रुप का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा, विधायक ओमप्रकाश यादव, लक्ष्मण सिंह यादव विधायक रेवाड़ी, कंवर सिंह यादव विधायक महेंद्रगढ़, डॉ. कृष्ण कुमार विधायक बवाल, अनिल यादव विधायक कोसली, सीताराम पूर्व विधायक अटेली होंगे।

कांटी में बाबा नृसिंहदास का मेला 23 को

मंडी अटेली। खंड के गांव कांटी में स्थित बाबा नृसिंहदास का धाम हजारों श्रद्धालुओं के लिए सालों बाद भी श्रद्धा और अटूट विश्वास का केंद्र बना हुआ है। 23 जनवरी को मेले में कबड्डी एवं कुश्ती दंगल का भी आयोजन किया जाएगा। मेला कमेटी के सदस्यों ने बताया कि मेले में 11 सौ रुपए से ऊपर की कुश्तीयां में बराबर पर छुटने पहलवानों को उचित इनाम दिया जाएगा।

फसलों पर बिछी बर्फ की सफेद चादर, नुकसान की संभावना बढ़ी

जिले में दूसरे दिन भी जमा पाला, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों तक ठंड का तिहरा अटैक जारी रहेगा। बर्फीली सर्द हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में लगातार रात्रि पारा लुढ़क रहा है

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उत्तरी बर्फिली सर्द हवाओं ने जिले में कहर बरपाया हुआ है। जिससे सम्पूर्ण इलाके में लगातार हाड़कंपा देने वाली ठंड का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों तक हरि ठंड का तिहरा अटैक जारी रहेगा। बर्फिली सर्द हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में लगातार रात्रि पारा लुढ़क रहा हैं। वहीं दूसरी तरफ दिन के तापमान भी सामान्य से नीचे बने हुए। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे ज्यादा ठंडी रात रेवाड़ी की दर्ज हुई है। यहां बावल में स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र में रात्रि तापमान -1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुड़गांव का रात्रि तापमान 0.6 डिग्री, नारनौल 1.2 डिग्री, भिवानी 1.5, सोनीपत 1.6 डिग्री व सिरसा 1.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

लगातार पड़ रहे पाले ने बढ़ाई किसानों की चिंता

नारनौल। सुबह के समय जमा पाला व गेहूं की फसल पर जमा पाला। फोटो : हरिभूमि

वहीं दूसरी ओर जिले में लगातार दूसरे दिन भी पाला जमने फसलों में नुकसान की संभावना बढ़ गई है। जिसने किसानों को चिंता में डाल दिया है। सोमवार को प्रदेश के सभी 22 जिलों में रात्रि तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुए। भारतीय मौसम विभाग ने 13 जनवरी को शीतलहर से गंभीर शीतलहर व पाला जमने की संभावना के चलते भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर आदि जिलों के लिए रेड अलर्ट, जबकि हल्का से सघन कोहरा व शीतलहर के लिए सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, रोहतक, जींद, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव, फरीदाबाद, पलवल, मेवात के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, यमुनानगर, पंचकूला जिलों के लिए सघन कोहरा के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम पूर्वानुमान

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि राज्य के उत्तरी जिलों पर हल्के से सघन कोहरा छाया रहेगा, जबकि शेष हरियाणा एनसीआर दिल्ली में कहीं कहीं कोहरा देखने को मिलेगा, साथ ही 15 जनवरी तक हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर हाड़कंपा देने वाली ठंड का सिलसिला जारी रहेगा। 15 जनवरी रात को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 16 व 17 जनवरी को मौसम में बदलाव, आंशिक बादलवाही व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। वहीं मौसम पूर्वानुमान मानचित्र के विश्लेषण के आधार पर एक नया मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ 19 जनवरी को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से मैदानी राज्यों में विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 19 से 22 जनवरी के दौरान मौसम में बदलाव तथा बिखराव वाली हल्की बारिश, बूंदाबांदी की सम्भावना है। इसके बाद 22 जनवरी को जैसे ही पश्चिमी मौसम प्रणाली आगे निकल जाएगी, वैसे ही उत्तरी बर्फिली सर्द हवाओं का रूख मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में कोल्ड ब्लास्ट की सम्भावना बन रही है।

पाला जमने से जनजीवन प्रभावित

कनीना। सोमवार को क्षेत्र में जबरदस्त पाला जमा। जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। पाला जमने से फैसले बुरी तरह मुरझा गई और सर्दी से लोग बेहाल हो गए। किसान दिनेश कुमार, राजेश राजकुमार, सतवीर सिंह, सुरेश कुमार, धर्मवीर सिंह आदि ने बताया कि अब तक शीतलहर व कोहरे की सर्दी थी, जो फसलों के लिए लाभदायक थी, लेकिन अब सुखा पाला जम रहा है, जो फसलों सहित पशु पक्षियों के लिए भी नुकसानदायक है।

कनीना। क्षेत्र में जमा पाला। फोटो : हरिभूमि

रात में पाला तो दिन में शीतलहर से बढ़ी ठिठुरन

सतनाली मंडी। पाला जमने व दिनभर चल रही शीतलहर ने ठिठुरने को मजबूर कर दिया है। रात को पाला जमने व दिनभर चल रही सर्द हवाओं से हो रही हाड़ जमा देने वाली कड़ाके की ठंड से जनजीवन थम सा गया है और सर्दी से बचने के लिए लोग दुबके रहने व अलाव तापने को मजबूर हैं। दिन के समय तेज धूप से कुछ राहत मिलती है, लेकिन दिनभर चल रही बर्फीली हवाओं ने लोगों को कंपकपाने को मजबूर कर दिया है। रात खेतों में फसल पर पड़ी ओस की बूंदें बर्फ में बदल गई। रात में पाला जमने और दिनभर चल रही शीतलहर से जनजीवन थम सा गया है। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग दुबके रहने को मजबूर हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिन से क्षेत्र में मौसम काफी ठंडा होता जा रहा है। दूसरी ओर पाला जमने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीर दिखाई देने लगी है। किसानों ने बताया कि ठंड से तो फसल को फायदा मिलता है, लेकिन पाला जमने से फसल को नुकसान की आशंका बन गई है।

सतनाली मंडी। कड़ाके की ठंड में रात को मिट्टी पर जमा पाला। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। अवैध निर्माण हटाती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

डीटीपी ने हटाया अवैध निर्माण

नारनौल। जिला नगर योजनाकार टीम ने सोमवार को पीजी कॉलेज के पीछे व अग्रसेन कॉलोनी नारनौल के साथ लगती लगभग दो एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ कार्रवाई की। राजस्व सम्पदा में कुछ लोगों की ओर से लगभग दो एकड़ भूमि में महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा चण्डीगढ़ से बिना लाइसेंस अनुमति लिए अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी। यह पूरी कार्रवाई जिला नगर योजनाकार मन्दीप सिंह सिहाग की अगुवाई में स्टाफ सदस्यों के साथ अमल में लाई गई।

जहरीला पदार्थ खाने से विवाहिता की मौत, केस

महेंद्रगढ़। जहरीला पदार्थ खाने से एक महिला की मौत हो गई। महिला के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कनीना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रेवाड़ी जिले के गांव टींट निवासी जयप्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन सुनीता की शादी 15 दिसंबर 2005 को गांव स्याना के अमरजीत के साथ हुई थी। जयप्रकाश का आरोप है कि शादी के बाद से ही अमरजीत उनकी बहन सुनीता को परेशान करने लगा था। अमरजीत सुनीता को गर्म सिगरेट से जलाता था और आए दिन मारपीट करता था। इस प्रताड़ना के कारण सुनीता कुछ समय के लिए अपने मायके लौट आई थी। सुनीता ने अपने पति के बड़े भाई बबलू और ससुर लाल सिंह के खिलाफ महिला सेल रेवाड़ी में भी शिकायत दर्ज कराई थी। महिला सेल रेवाड़ी में लगभग 6 महीने तक कार्रवाई चली और सुनीता 9 महीने तक अपने मायके में रही। बाद में गांव के सरपंचों, गणमान्य व्यक्तियों और रिश्तेदारों ने दोषियों की गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसी कोई मारपीट या प्रताड़ना न करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद सुनीता ससुराल चली गई। जयप्रकाश ने बताया कि काफी समझाने के बाद भी उनके जीजा अमरजीत ने सुनीता को परेशान करना जारी रखा। अब दो दिन पहले 10 जनवरी को उन्हें अपने भांजे का फोन आया कि सुनीता महेंद्रगढ़ के एक निजी अस्पताल में है। जब वह अपने चाचा के लड़के और ताऊ के साथ अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां सुनीता की मौत हो गई।

मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पटीकरा गांव में बीती रात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण व नकदी चुरा ली। इस बारे में पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की है। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। बता दें कि पीड़ित मनमोहन पेशे से लेक्चरर हैं तथा अपने परिवार सहित पिछले तीन दिनों से राजस्थान में अपने छोटे भाई के पास गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके बंद मकान को निशाना बनाया। रात को अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे सहित अंदर के कमरों के ताले तोड़ दिए और अलमारियों में रखी नकदी व आभूषण चोरी कर फरार हो गए। सुबह जब मनमोहन अपने परिवार के साथ घर लौटे, तो अंदर का दृश्य देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर के सभी कमरे अस्त व्यस्त पड़े थे, सामान चारों ओर बिखरा हुआ था तथा अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोर लाखों रुपये की नकदी व सोने, चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

- पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया

नारनौल। चोरी के बाद मकान में बिखरा पड़ा सामान।

सतनाली में लगातार 12 घंटे से भी अधिक समय तक गुल रही बिजली

सतनाली मंडी। क्षेत्र में बिजली लाइन का तार टूटने के कारण 12 घंटे से भी अधिक समय तक लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रही। सर्दी के मौसम में हुई इस लंबी कटौती से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो गया। देर रात से शुरू हुई बिजली कटौती अगले दिन तक जारी रही, जिससे लोगों के बिजली आधारित दैनिक कार्य ठप हो गए। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से पानी की समस्या भी गहरा गई। लाइन का तार टूटने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। संबंधित कर्मचारी लाइन को दुरुस्त करने के काम में जुट गए और दोपहर बाद लाइन दुरुस्त होते ही आपूर्ति बहाल होने की संभावना जताई गई। 12 घंटे से भी अधिक समय तक बिजली कटने से क्षेत्र में लोगों के बिजली आधारित कार्य बाधित रहे और पेयजल आपूर्ति भी बाधित रही। उपभोक्ता ओमप्रकाश, विनोद, जितेंद्र, नरेश, पवन, मुकेश, नवीन, महेंद्र, सुरेश, संजय, रोहताश आदि अनेक लोगों ने बताया कि रविवार को मध्यरात्रि में बिजली गुल हो गई थी, जो दिन में भी दोपहर बाद तक भी बहाल नहीं हो पाई। बिजली नहीं होने से बिजली आधारित कार्य नहीं होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। समाचार लिखे जाने तक कस्बे में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति में कार्यकारिणी चुनाव का बजा बिगुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़ की 11 सदस्यीय कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव प्रक्रिया को औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्यकारिणी में प्रधान, उपप्रधान, सचिव, सहसचिव, खजांची सहित छह कार्यकारी सदस्य शामिल होंगे। समिति में लंबे समय से चले आ रहे विवादों के बीच अब इस प्रक्रिया को पूर्णतः कानूनी, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी गई है।

- प्रधान, उपप्रधान सचिव, सहसचिव खजांची सहित छह कार्यकारी सदस्य के होंगे चुनाव
- समिति में लंबे समय से चला आ रहा था विवाद

समिति के वर्तमान चुनाव अधिकारी मनीराम योगी ने जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से कार्यकारिणी गठन को लेकर विवाद चला आ रहा था, जिसके समाप्त होने की उम्मीद इस चुनाव प्रक्रिया के पूर्ण होने के साथ की जा रही है। उन्होंने बताया कि समिति की सदस्य सूची को पहले 30 जून 2025 एवं पुनः 20 दिसंबर 2025 को डॉ. आंबेडकर भवन में चस्पा किया गया था। इस सूची पर सदस्यों से आपत्तियां आमंत्रित की गई थी, जिनके लिए अंतिम तिथि तीन जनवरी 2026 निर्धारित की गई थी। प्राप्त आपत्तियों का निपटान नौ जनवरी 2026 तक कर दिया गया है। इसके उपरांत फाइनल सदस्य सूची 12 व 13 जनवरी 2026 को चस्पा की गई है।

महेंद्रगढ़। आंबेडकर भवन का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा

नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि : 14 व 15 जनवरी 2026
नामांकन पत्रों की जांच : 16 जनवरी 2026
नाम वापसी की अंतिम तिथि : 17 जनवरी 2026
चुनाव चिह्न आवंटन : 18 जनवरी 2026
मतदान : 25 जनवरी 2026 (प्रातः नौ बजे से सायं 4 बजे तक)
स्थान : डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन, महेंद्रगढ़
मतदान के तुरंत बाद मतगणना शुरू की जाएगी और विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी।

चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक पात्रताएं

चुनाव अधिकारी ने बताया कि नामांकन दाखिल करने के लिए इच्छुक प्रत्याशी को निम्न शर्तें पूरी करनी होंगी प्रत्याशी समिति का पंजीकृत सदस्य हो, हरियाणा राज्य का निवासी हो, मानसिक रूप से स्वस्थ हो एवं दिवालिया घोषित न हो, किसी भी न्यायालय से सजायाफ्ता अपराधी न हो, चुनाव अधिकारी ने अपील की है कि सभी संस्था हित को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से इस प्रक्रिया में भाग लें, समयावधि को ध्यान में रखते हुए अपने दस्तावेज पेश करें किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देवें।

निगम ने कुल 410.13 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

बिजली चोरों के विरुद्ध सख्त हुआ निगम छापेमारी व कार्रवाई में तोड़े पुराने रिकॉर्ड

280.13 लाख रुपये की वसूली भी की, मानी जा रही है निगम की बड़ी उपलब्धि

राजकुमार ⏭ नारनौल

बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए निगम ने इस बार बेहद सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया। निगम की इस सख्ती का असर साफ नजर आया, क्योंकि वर्ष 2025 में पकड़े गए बिजली चोरी के मामलों की संख्या ने पिछले सभी वर्षों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

खास बात यह रही कि इस बार न केवल छापेमारी की संख्या बढ़ी, बल्कि जुर्माना और एफआईआर दर्ज कराने के मामले में भी निगम ने पहले से कहीं अधिक कठोर कदम उठाए।

निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, इस बार नारनौल सर्कल में कुल 1604 स्थानों पर बिजली चोरी के मामले पकड़े गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में कहीं अधिक हैं। वर्ष 2024 में यह संख्या 1513 थी। छापेमारी में करीब 6 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि इस बार निगम की रणनीति, निगरानी व्यवस्था और फील्ड स्तर पर कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा प्रभावी रही।

इस पूरे अभियान में नारनौल डिविजन सबसे आगे रहा। यहां निगम की टीमों ने लगातार सघन छापेमारी करते हुए शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिजली चोरी के मामलों को उजागर किया। अवैध कनेक्शन, मीटर से छेड़छाड़, सीधी तार डालकर बिजली उपयोग करने जैसे कई तरीके सामने आए, जिनके जरिए उपभोक्ता निगम को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रहे थे। इसके विपरीत महेंद्रगढ़ डिविजन इस मामले में पीछे रहा। वहां छापेमारी और पकड़े गए मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, जिसे लेकर निगम के उच्च अधिकारियों ने फील्ड स्टाफ को और अधिक सक्रियता दिखाने के निर्देश दिए हैं।

नारनौल। बिजली पॉवर हाउस। फोटो : हरिभूमि

आगे भी जारी रहेगी सख्ती

बिजली निगम का यह अभियान यहीं नहीं रुकेगा। आने वाले महीनों में भी छापेमारी जारी रहेगी और विशेषकर उन क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा, जहां पहले कम कार्रवाई हुई है। महेंद्रगढ़ डिविजन में भी अब सघन अभियान चलाने की तैयारी है। निगम की आम जनता से भी अपील की है कि वे बिजली चोरी न करें और यदि कहीं अवैध कनेक्शन या चोरी की जानकारी मिले तो इसकी सूचना निगम को दें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।
-जोगेंद्र सिंह हुड्डा, एसई, बिजली निगम, नारनौल सर्कल

डिविजन अनुसार स्थिति

इस बार चल रहे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जहां नारनौल डिविजन में 1242 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी गई, वहीं महेंद्रगढ़ डिविजन में मात्र 362 बिजली चोरी के केस पकड़े गए। पिछले साल नारनौल डिविजन में 948 बिजली चोरी के केस बने थे, जबकि महेंद्रगढ़ में केवल 565 केस बनाए गए थे, जो इस साल से महेंद्रगढ़ में पिछले साल ज्यादा केस बने थे।

लगातार बढ़ते मामले, लेकिन कार्रवाई भी तेज

निगम के आंकड़ों के अनुसार, इस बार एक अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक 1604 बिजली केस चोरी पकड़ में आने पर निगम ने कुल 410.13 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इनमें से अब तक 280.13 लाख रुपये की वसूली भी की जा चुकी है, जो अपने आपमें एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। 1542 पर एफआईआर भी दर्ज करवाई गई। रिकवरी लगभग 68.30 प्रतिशत रही। इसी प्रकार पिछले वर्ष एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक 1513 केस बिजली चोरी के पकड़े गए। इन पर 510.84 लाख रुपये जुर्माना लगाया, जबकि 303.39 लाख रुपये जुर्माना वसूल पाया गया। इस साल 1412 एफआईआर भी दर्ज करवाई गई। इस साल 59.39 प्रतिशत रिकवरी हुई। अधिकारियों का कहना है कि पहले के वर्षों में जुर्माना लगाने के बाद उसकी वसूली एक बड़ी चुनौती होती थी। कई उपभोक्ता नोटिस मिलने के बावजूद राशि जमा नहीं कराते थे, जिससे निगम को राजस्व का नुकसान होता था।

कामयाबी एक अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक 1604 बिजली चोरी केस पकड़े गए

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
13 जनवरी 2026

सहेली

मकर संक्रांति पर्व असल में प्रकृति के बदलाव का उत्सव है। इन दिनों स्त्रियों का उल्लास-उमंग देखते ही बनता है। मकर संक्रांति से ही घर-परिवार में विवाह या दूसरे शुभ कार्य आरंभ हो जाते हैं। यह पर्व हमारे खान-पान और दिनचर्या में भी बदलाव लेकर आता है। गुड़, तिल से बने स्वादिष्ट व्यंजन और आकाश में उड़ती-लहराती पतंगें, हमारे मन और जीवन को नव ऊर्जा से भर देती हैं।

मकर संक्रांति
नव ऊर्जा और अपनेपन का उत्सव

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

घर-परिवार में त्योहारों के उत्सवीय रंगों की डोर स्त्रियां ही थामती हैं। महिलाएं पारंपरिक अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों की धुरी कही जाती हैं। बहू-बेटियां उत्सवों के परंपरागत और आध्यात्मिक महत्व को मन से समझती हैं। त्योहारों पर घर-आंगन की सज-धज से जुड़ी रचनात्मकता हो या मेल-जोल की सामूहिकता, महिलाएं बहुत सहजता से जीवन के हर पहलू को संभाल लेती हैं। पूरे माहौल को ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देती हैं।

प्रकृति का उत्सव और स्त्रीमन

उमंगों और पतंगों का पर्व संक्रांति, असल में प्रकृति के बदलाव का भी उत्सव है। स्त्रियों का मन वैचारिक और व्यावहारिक दोनों मोर्चों पर कुदरत के करीब होता है। असल में संक्रांति का पर्व अकेला ऐसा हिंदू त्योहार है, जो चंद्र पंचांग के हिसाब से नहीं बल्कि सौर पंचांग के हिसाब से मनाया जाता है। प्राकृतिक घटनाओं के आधार पर देखें तो संक्रांति का अर्थ ही परिवर्तन या गति है। उत्तरायण का शुभ काल, शुरू होने के चलते साल भर में आने वाली 12 संक्रांतियों में मकर संक्रांति सबसे अहम होती है। उत्तरायण का समय देवी-देवताओं के पूजन का समय माना जाता है। यही वजह है कि इस पर्व के बाद कई त्योहार आते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ कार्य आरंभ होते हैं। ठिठुरती ठंड और घने कोहरे के बाद आने वाले देशभर के इस प्यारे त्योहार पर स्त्रियों का उल्लास भी देखते ही बनता है। घर-परिवार में विवाह हो या कोई दूसरा शुभ कार्य, महिलाओं को सबसे अधिक चाव होता है। साथ ही यह त्योहार हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है। बदलते मौसम की इस रुत में भी महिलाओं के मन और जीवन में भी नई ऊष्मा का संचार होता है।

जुड़ाव और एकता का उत्सव

परिवार हो या देश-परिवेश, सामाजिक सद्भाव और एकता की डोर से स्त्रियां सबके दिलों को जोड़ती हैं। सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े मान-मनुहार के भाव महिलाओं ने ही सहेज रखे हैं। मित्रों-रिश्तेदारों का मेलजोल मकर संक्रांति के त्योहार का अहम हिस्सा होता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर उनसे मिलने जाते हैं। असल में मकर राशि को शनि देव का घर माना जाता है। संक्रांति का त्योहार, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का ही उत्सव है। आध्यात्मिक रूप से भी यह मान्यता रिश्तों को मजबूती देने और मेलजोल बनाए रखने का ही संदेश लिए है। यूं भी सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। साथ ही सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। ऐसे में उत्तरायण का उत्सव एकता की सोच को भी सींचता है। सहज जीवन में इसे महिलाएं ही खाद-पानी देती हैं। मकर संक्रांति के पर्व पर स्नान और दान का भी बहुत महत्व है। इस दिन तिल, गुड़, खिचड़ी, फल या आर्थिक मदद देने की रीत है। महिलाएं किसी की सहायता करने वाली रीत निभाने में आगे रहती हैं। इस त्योहार पर जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े या दूसरी चीजें दान करने की सोच स्त्रीमन में मौजूद सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से ही मिलवाती है।

पतंगों के संग उमंगों का उत्सव

बच्चे हों या बड़े, मकर संक्रांति का त्योहार सभी के लिए रंग-बिरंगी पतंगों का एक उत्सव होता है। हमारे देश के कई राज्यों की पतंगबाजी तो दुनिया भर में चर्चित है। वैसे यह त्योहार हर क्षेत्र में अलग रंग, अलग ढंग से मनाया जाता है। इस दिन आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में संक्रांति और तमिलनाडु में पोंगल का त्योहार मनाया जाता है। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल घर लाने का उत्सव लोहड़ी के रूप में मनाते हैं। वहीं असम में इस दिन बिहू पर्व का उल्लास छाया रहता है। बिहू उत्सव में नृत्य करतीं स्त्रियां हों या लोहड़ी पर गिद्धा नृत्य का उल्लास बिखेरती महिलाएं। पतंगबाजी के पेच लड़ाती बेटियां हों या पोंगल के पारंपरिक अनुष्ठान में घर के द्वार पर सुंदर कोलम रंगोली सजाने वाली महिलाएं। हर रूप में यह पर्व महिलाओं के मन की उमंगों की झांकी-सा होता है। पोंगल पर्व पर तो थाई पोंगल यानी सूर्य पूजा और मट्टु पोंगल यानी पशु पूजा के समय महिलाएं ही पूजा अनुष्ठानों की नेतृत्व करती हैं। साथ ही पूरे परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं उत्तर भारत की पतंग उड़ाने की परंपरा भी मनोरंजन भर नहीं है। डोर से बंधी आसमान में उड़ती पतंग, आपसी रिश्तों को भी जोड़ती है। मेल-मिलाप का यह रंग आंगन की बजाय छतों-चौबारों की साझी बैठकी में खिलता है। समरसता के इस भाव को भी स्त्रियां ही बल देती हैं।

सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को पोसती लोहड़ी

लोहड़ी का पर्व भी प्रकृति का आभार जताने का ही उत्सव है। हमारे कृषि प्रधान देश में लोहड़ी का त्योहार फसलें कटकर घर आने की खुशी में मनाया जाता है। साथ ही यह पर्व सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को भी पोसता है। विशेषकर पंजाब और हरियाणा में धूमधाम से मनाए जाने वाले इस पर्व को तिलोड़ी भी कहते हैं। शादी के बाद की पहली लोहड़ी बहुत खास होती है। पारंपरिक रूप से बेटे के जन्म के बाद पहली लोहड़ी बहुत धूमधाम से मनाई जाती थी। बेटे के जन्म के बाद घर में ढोल-नगाड़ों से उसका स्वागत किया जाता था और पहली लोहड़ी पर

गांव भर में उसके आगमन की मिठाई बांटी जाती थी। सुखद है कि लाडलियों के प्रति परिवार-समाज में आई सहज स्वीकार्यता की सोच से घर-परिवार में एक बड़ा बदलाव दिखने लगा है। अब बिटिया की पहली लोहड़ी भी खूब हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। शादी के बाद भी बेटी की पहली लोहड़ी पर मायके वाले त्योहारी भिजवाते हैं। यह स्नेह भरा शगुन उन्हें अपने आंगन से जोड़े रखने की सोच लिए है। मूंगफली और रेवड़ी का प्रसाद और लोकगीतों का साथ इस पर्व को बहुत खास बना देता है।

खुश रहना भी एक आर्ट है

हर कोई चाहता है, वह खुश रहे। लेकिन खुश रहने का कोई बना-बनाया फॉर्मूला नहीं होता है। यह एक आर्ट ऑफ लाइफस्टाइल है। आप अपनी डेली रूटीन लाइफ में कुछ छोटे बदलाव करके भी खुश रह सकती हैं। यहां दी गई बातें अमल में लाएं और हमेशा खुश रहें।

जीवनशैली
अलका जैन

रविवार की सुबह आभा पार्क में टहल रही थी, तभी सामने से उसे राधा आती दिखी। हमेशा की तरह वह मुस्कुराते हुए मिली, बातें कीं। लेकिन उसकी आंखों में कहीं न कहीं एक मायूसी थी। आभा ने पूछा, 'सब ठीक है न?' राधा ने ठंडे स्वर में 'हां' तो कहा लेकिन उसकी मुस्कान बनावटी सी लगी। हम में से कई लोग अकसर अपनी थकान, उदासी या तनाव को मुस्कुराहट के पीछे छुपा लेते हैं, सिर्फ इसलिए कि दुनिया हमें खुश देखे। वास्तव में खुश रहना एक आर्ट है। इसके लिए आपको यहां बताई जा रही कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इन लक्षणों को पहचानें: मन से नाखुशी, हमेशा शब्दों में प्रकट नहीं होती, संकेतों के रूप में भी सामने आती है। इन्हें पहचानना जरूरी है। हर समय थकान महसूस होना। पहले पसंद आने वाले कामों में रुचि कम हो जाना। नींद या भूख में बदलाव। मित्रों और जानने वालों से दूरी बना लेना। इन संकेतों को नजरअंदाज करना आसान है, लेकिन यही वह पल है, जब आपको रुककर खुद से पूछना चाहिए- 'मैं सच में कैसा महसूस कर रही हूं?' अगर उत्तर पॉजिटिव न मिले तो लाइफस्टाल में बदलाव करें।

सही नहीं तुलना करना: हर बात में दूसरों से तुलना, धीरे-धीरे आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है। किसी की करियर की सफलता, किसी का खूबसूरत घर या सोशल स्टेटस देखकर इंफीरियर महसूस करने से आप बेवजह अपने को खुशी से दूर कर लेती हैं। सच यह है कि किसी की भी जिंदगी परफेक्ट नहीं होती। इसलिए दूसरों से तुलना करने से बचें।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर: हालांकि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। लेकिन खुले तौर पर अपनी परेशानियों को साझा करने में अब भी झिझक महसूस होती है। तनाव, चिंता, अकेलापन और अवसाद जैसे मनोभाव, किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं, चाहे वह बाहरी रूप से कितनी भी खुश क्यों न दिखे। जब तक आप मेंटली हेल्दी नहीं होंगी, खुश नहीं रह सकती हैं।

खुद के साथ समय बिताएं: खुश रहना मन की एक अवस्था है। इस पाने की शुरुआत खुद को समय देने से होती है। इसके लिए सबसे पहले सुबह उठकर कुछ मिनट ध्यान या गहरी सांसें लें। हफ्ते में एक दिन सिर्फ अपने पसंदीदा काम के लिए रखें। नित्य प्रकृति के साथ समय बिताएं।

सोशल मीडिया पॉजिटिव हैबिट्स: सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाना जरूरी नहीं, बल्कि इसे अपने लिए पॉजिटिव बनाने की आदत कारगर है। ऐसे पेज और अकाउंट फॉलो करें, जो प्रेरणा और सुकून देते हों, ऐसे लोगों को रोल मॉडल बनाएं, जिनकी कथनी और करनी में अंतर ना हो। सबसे जरूरी है कि सोशल मीडिया को यूज करने का समय सीमित करें।

थोड़ा रिलैक्स होना भी है जरूरी: मुस्कान सिर्फ होंठों पर नहीं, मन में भी होनी चाहिए। अगर आज आपको लगता है कि आप थक गई हैं, तो इसे स्वीकार करें और कुछ देर रिलैक्स जरूर करें। याद रखें, रुकना, सांस लेना और फिर से शुरू करना बिल्कुल ठीक है। इसलिए थकान महसूस होने पर रिलैक्स होना भी जरूरी है। इससे मन को ताजगी अहसास होता है।

बात करना और सुनना

कभी-कभी हमें लगता है कि हमारे पास कहने के लिए सही शब्द नहीं हैं या लोग हमें समझेंगे नहीं। लेकिन सच यह है कि सही लोगों से बातचीत आधी परेशानी हल कर देती है। दोस्त, परिवार या कोई भरोसेमंद सहकर्मी। किसी से भी अपनी बात कह देना, मन को हल्का कर सकता है। उतना ही जरूरी है, दूसरों को सुनना क्योंकि हो सकता है उनकी बातों में भी वही कहानी छुपी हो, जिससे आप खुद गुजर रही हों।

सलाह
प्रतिभा अग्निहोत्री

आजकल हाथ के बुने स्वेटर का चलन कुछ कम हो गया है लेकिन स्वेटर बुनने के शौकीन अपने हाथों को रोक ही नहीं पाते। साथ ही फैशन कोई भी हो कुछ लोगों को बाजार के रेडीमेड स्वेटर की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर ही पसंद आते हैं। छोटे बच्चों को तो आज भी माताएं हाथ के बने स्वेटर ही पहनाना पसंद करतीं हैं, क्योंकि रेडीमेड स्वेटर्स की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर्स ज्यादा गरमाते हैं। यदि आप भी बुनाई की शौकीन हैं तो यहां बताई जा रही बातें ध्यान में जरूर रखें, जो स्वेटर बुनते समय आपके लिए बहुत उपयोगी और फायदेमंद होंगी-

आज भी काफी लोग रेडीमेड स्वेटर के बजाय हाथ के बुने स्वेटर पसंद करते हैं। हाथ से बने स्वेटर बनाते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। इन बातों को अमल में लाएंगी तो आपकी बुनाई कुछ अलग ही रंग जमाएगी।

सर्दियों में बुनाई करते समय रखें इन बातों का ध्यान

- ऊन खरीदने से पहले किसके लिए क्या बनाना है,यह सुनिश्चित कर लें, क्योंकि बच्चों के लिए गहरे रंग, बड़ों के लिए हल्के और लड़के-लड़कियों के रंग भी अलग-अलग होते हैं।
- छोटे बच्चों के लिए फर वाली या फैशनेबल ऊन खरीदने की अपेक्षा अच्छे ब्रांड का बेबी वूल ही खरीदें, क्योंकि यह एकदम नरम और बिना रोएं वाली होती हैं।
- ऊन हमेशा आवश्यकता से कुछ अधिक ही खरीदें, क्योंकि कम पड़ने पर अकसर उसी शेड की ऊन मिलना मुश्किल हो जाता है।
- मोटी प्लाई के लिए कम नंबर की और पतली प्लाई वाली ऊन के लिए अधिक नंबर की सलाई को यूज करें।

- गले, बाहों और कमर के बॉर्डर के लिए दो नंबर अधिक की सलाई लें अर्थात यदि बॉर्डर 10 नंबर से बना रही हैं तो पूरा स्वेटर 8 नंबर से बनाएं, इससे स्वेटर देखने में तो अच्छा लगेगा ही बॉर्डर लूज भी नहीं होगा।
- बुनाई करते समय बुनने वाली सलाई को पूरा खत्म करके ही उठें अन्यथा फंदे निकलकर आपके स्वेटर डिजाइन को ही खराब कर सकते हैं।
- फंदे सदैव कड़े हाथ से और दोहरी ऊन से ही डालें, क्योंकि ढीले हाथ से डाले गए फंदे बाद में और ढीले हो जाएंगे और स्वेटर का आकार ही बिगड़ जाएगा।
- बुनाई करते समय ऊन के गोलों को एक पॉलीथिन बैग में रखें, जब बुनाई बंद करें तो इसी में बुने स्वेटर को सलाई सहित रखें, इससे आपका आधा बुना स्वेटर गंदा नहीं होगा।
- छोटे बच्चों के स्वेटर पर ऊपर किसी भी प्रकार के मोती, नग, सितारे, कुंदन आदि न लगाएं, क्योंकि वे इन्हें मुंह में डाल सकते हैं। उनके स्वेटर पर कढ़ाई इत्यादि करने के लिए धागे या ऊन का ही प्रयोग करें।
- स्वेटर बनाने के बाद उल्टी तरफ निकले धागों और गांठों को कैंची से थोड़ा-सा काटकर क्रोशिया या सलाई की सहायता से ऊन के धागों में छिपा दें।

- जहां तक संभव हो छोटे बच्चों के स्वेटर एक से अधिक रंग के और अधिक डिजाइन वाले न बनाएं ताकि ऐसे स्वेटरों या मोजों को पहनते समय उनके हाथ-पैर आदि इनके धागों में न उलझें।
- दो रंग का स्वेटर बनाते समय एक रंग की अपेक्षा 10-12 फंदे अधिक डालें, क्योंकि दो रंग के धागे आपस में उलझकर खिंचते हैं।

हेयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अप्लाई करें हेयर परफ्यूम बालों से आएगी भीनी-भीनी खुशबू

हेयर परफ्यूम, बालों को सुगंधित करने के साथ फ्रेश लुक देने में भी मदद करते हैं। हेयर परफ्यूम रूखे, फ्रिजी और बेजान बालों पर असरदार साबित होता है। लेकिन इसे अप्लाई करने से पहले इसके बारे में जानना भी जरूरी है।

हेयर परफ्यूम की खासियतें: हेयर परफ्यूम का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। इसकी खुशबू आम परफ्यूम से हल्की होती है, इसका ज्यादा इस्तेमाल करना मुश्किल नहीं होता है। जिस तरह आप बॉडी परफ्यूम का इस्तेमाल करती हैं, ठीक उसी तरह बालों को खुशबूदार बनाने के लिए हेयर परफ्यूम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ये बालों को अपनी खुशबू से महकाता और साथ-साथ बालों को मॉयश्चराइज भी करता है, जिससे बाल हेल्दी और तरोताजा नजर आते हैं। इनसे बाल और भी आकर्षक नजर आते हैं। हेयर परफ्यूम, बालों को सुंदर दिखाने के साथ ही लग्जरी टच जोड़ता है और आपको ताजगी महसूस करवाता है। कुछ लोग बॉडी परफ्यूम को ही बालों पर छिड़क लेते हैं, लेकिन उसमें अल्कोहल होता है, जो बालों को और ज्यादा रूखा और बेजान बना देता है। जबकि हेयर परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह आपके बालों के लिए ज्यादा सुरक्षित है। यह आमतौर पर वाटर बेस्ड होता है, इसलिए यह आपके बालों को भारी नहीं बनाता है और न ही उन्हें रूखा या चिपचिपा बनाता है। हालांकि बाजार में ब्रांडेड हेयर स्प्रे भी मिलते हैं लेकिन आप चाहें तो घर पर हर्बल हेयर स्प्रे बना सकती हैं।

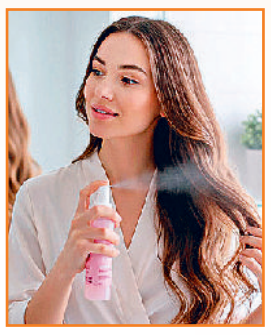

रोज एसेंस हेयर परफ्यूम: गुलाब की खुशबू का हेयर परफ्यूम बनाने के लिए 2 चम्मच गुलाब का तेल, 1 चम्मच जोजोबा ऑयल और 5 चम्मच गुलाब जल को एक स्प्रे बॉटल में डाल कर मिक्स करें। आपका होममेड गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम तैयार है। शादी समारोह या पार्टी में जाने से पहले इस हेयर परफ्यूम को बालों पर लगाएं।

गुलाब जल और विच हेजल: कांच के एक बर्तन में आधा चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच विच हेजल (स्किन केयर में यूज किया जाने वाला एक पौधा) को अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण में पांच बूंदें गुलाब के तेल की मिलाकर मिश्रण को स्प्रे बॉटल में डाल लें। यह हेयर परफ्यूम स्प्रे तैयार है।

हेयर परफ्यूम ऐसे लगाएं: सबसे पहले बॉटल को अपने बालों से लगभग छह से आठ इंच की दूरी पर रखें। इसके बाद, हल्का स्प्रे करें। ध्यान रहे कि यह बालों के बीचों-बीच और सिरों पर ज्यादा केंद्रित हो। जड़ों की बजाय बालों के बीच की लंबाई और सिरे पर ध्यान दें, ताकि परफ्यूम का समान वितरण हो सके। यह तरीका खुशबू को समान रूप से फैलाने में मदद करता है।

हेल्थ सजेशन
डॉ. अश्वनी कानेटकर
होम्योपैथ कंसल्टेंट

कम तापमान, ठंडी हवाएं और प्रदूषण की वजह से कुछ लोग एलर्जी की समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं। अगर ध्यान नहीं देंगी तो यह समस्या बढ़ भी सकती है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए बचाव के उपाय अपनाना जरूरी है।

सर्दी के मौसम में हो सकती है एलर्जी

बदलते मौसम में ही नहीं बहुत अधिक ठंड के दिनों में भी तरह-तरह की एलर्जी की समस्याएं हो सकती हैं। धूप ज्यादा न होने से हवा में नमी और रूखापन बढ़ने लगता है। ऐसे मौसम में कई बैक्टीरिया और फफूंदी पैदा होने लगते हैं, जो हमारी त्वचा, आंखों और सांस की नलियों में प्रवेश करके उन पर सीधा असर डालते हैं। परिणामस्वरूप कई तरह की एलर्जी के मामले सामने आने लगते हैं।

एलर्जी के मुख्य कारण: इन दिनों धूप की कमी की वजह से हवा में नमी बढ़ी हुई है। इसके अलावा कई शहरों, महानगरों में प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है। कोहरा और प्रदूषण मिलकर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करते हैं। इस दौरान कई तरह के बैक्टीरिया, धूल के कण और प्रदूषक पदार्थ की वजह से एलर्जी की समस्या पैदा होती है।

इन लक्षणों का रखें ध्यान: एलर्जी के लक्षण सामान्य तौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लग सकते हैं। लेकिन अगर ये लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है। किसी भी तरह की एलर्जी का सही ट्रीटमेंट न करने से शारीरिक समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए यहां बताए जा रहे लक्षणों पर नजर रखें और डॉक्टर से कंसल्ट करने में देर ना करें।

लगातार छींक आना: हवा में मौजूद नमी, नाक और श्वास नलियों को प्रभावित करती है, जिससे कई लोगों को या तो लगातार छींके आने लगती हैं या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। बुखार भी आ सकता है। कुछ लोगों को ऐसे लक्षण केवल सुबह या शाम के समय दिखते हैं, जबकि दिन में तापमान बढ़ने पर ये लक्षण अपने आप रुक जाते हैं।

आंखों में जलन: इस मौसम में हवा में रूखापन बहुत बढ़ जाता है, जिससे कुछ लोगों में आंखों का लाल होना या आंखों में जलन और पानी निकलने जैसी समस्याएं दिखने लगती हैं।

त्वचा पर रैशेज या ईचिंग: कई बार इंड के मौसम में हवा में मौजूद फंगस त्वचा की समस्याओं को बढ़ा देते हैं, जिससे रैशेज और इचिंग की समस्या बढ़ती है। रूखी हवाओं की वजह से समस्या बढ़ती है।

प्रस्तुति: बुशरा फातिमा

अपनाएं बचाव के उपाय

सर्दी के मौसम में होने वाली एलर्जी की समस्याओं से बचाव के लिए आप यहां बताए जा रहे उपाय आजमा सकती हैं।

- जब भी धूप निकले कुछ देर रोजाना धूप में जरूर बैठें। इससे कई तरह की एलर्जी से आपका बचाव होगा।
- पहनने वाले कपड़े और बिस्तर नम न हों इसका ध्यान रखें। जब भी धूप निकले इसे जरूर सुखाएं।
- अगर एलर्जी या इंफेक्शन की वजह से नाक और गले में दर्द हो रहा हो तो भाप लेना फायदेमंद होता है।
- अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए घर का बना काढ़ा जिसमें हल्दी, गिलोय, नीबू, तुलसी आदि शामिल हो, उसका नियमित सेवन करें। इससे आप कई तरह की एलर्जी से बची रहेंगी।
- विटामिन-सी युक्त फलों जैसे संतरा, नीबू, अमरूद आदि का अधिक सेवन करें।
- होम्योपैथी में कुछ दवाएं एलर्जी से बचाती हैं। आप इनका सेवन डॉक्टर के कंसल्टेशन से कर सकती हैं।

खबर संक्षेप

पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव इनेलो में शामिल

नारनौल। पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर इनेलो का दामन थामा। इनेलो सुप्रिमो अभय चौटाला के निवास स्थान पर विधिवत रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश की राजनीति, संगठन विस्तार और भविष्य की रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सतीश यादव गांव दुबलाना के रहने वाले है और 2005 में जिला प्रमुख बने थे।

यदुवंशी कॉलेज में मनाई स्वामी विवेकानन्द जयंती

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा में स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गई। प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि स्वामी विवेकानन्द एक महान भारतीय संत व विचारक थे। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बताया कि स्वामी विवेकानन्द युवावों का प्रेरणा स्त्रोत है।

गांव दुलोठ अहीर में कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्येक गांव तक पहुंचेगा पीएम सूर्य घर योजना का लाभः विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

डीएचबीवीएन द्वारा सोमवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना व म्हारा गांव जगमग गांव योजना के तहत महेंद्रगढ़ उपमंडल के गांव दुलोठ अहीर में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान एसडीएम कनिका गोयल (आईएएस) भी मौजूद रही। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि सरकार द्वारा गांव एवं शहरी क्षेत्रों में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोलर पैनल स्थापित कराने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके तहत नागरिकों को सस्ती, स्वच्छ एवं स्थायी ऊर्जा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ में अधिकांश उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की सब्सिडी का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा अपनाने से न केवल बिजली बिल में भारी कमी आती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। यह योजना आने वाले समय में अनिवार्य भी हो सकती है, इसलिए नागरिकों को अभी उपलब्ध सब्सिडी का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि सोलर ऊर्जा न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम पर मिलने वाली केंद्र एवं राज्य सरकार की सब्सिडी से आमजन का निवेश दो से तीन वर्षों में ही वसूल हो जाता है, जबकि संयंत्र की आयु 25 वर्षों से अधिक होती है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस जनहितकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और महेंद्रगढ़ को सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहयोग करें। डीएचबीवीएन के अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुडा ने पीएम सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि योजना में केंद्र सरकार की सब्सिडी के लिए आय की कोई सीमा नहीं है, जबकि राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी के लिए निर्धारित आय एवं वार्षिक बिजली खपत का मानदंड है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

महेंद्रगढ़। लाभार्थी को चेक सौंपते विधायक। फोटो : हरिभूमि

लाभार्थियों को चेक वितरित किए

कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थी राजेन्द्र निवासी नागल माला, भतेरी देवी निवासी पालड़ी पनिहारा, उस्मापुर निवासी लोकेश व सिसोठ निवासी मंजू को सब्सिडी के चेक वितरित किए। इस अवसर पर डीएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता रणबीर सिंह, एलडीएम उमेद सिंह, तहसीलदार अजय कुमार, सरपंच देवेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नारनौल। स्वामी विवेकानन्द की पुस्तक भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत @2047 के शिल्पकार बनें युवाः खनगवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वयं को प्रज्ज्वलित करें, विश्व को प्रभावित करें थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसकी शुरूआत कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रिंसिपल रिटायर्ड शिवराज सिंह व संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने स्वामी विवेकानंद की फोटो पर पुष्प अर्पित कर की। प्रधानाचार्य ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती के अवसर पर युवाओं को राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत @2047 के विजन से जोड़ना है।

इस अवसर पर शिवताज सिंह ने स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि विवेकानंद के विचार विकसित भारत के संकल्प में निरंतर नई ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे न केवल विकास के लाभार्थी बनें, बल्कि इसके वास्तुकार और सह-निर्माता भी बनें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के किए गए सामाजिक कार्यों के बारे में भी विस्तार से युवाओं को बताया व प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि युवाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने के लिए माय भारत 2.0 प्लेटफॉर्म को उन्नत किया जा रहा है, जिसमें एआई-संचालित स्मार्ट सीवी बिल्डर और मेंटरशिप हब जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस दौरान संस्थान में स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित व्याख्यान व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मॉडर्न स्कूल में शिक्षकों को सीबीपी प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक दिवसीय सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक पद्धतियों, दक्षता आधारित शिक्षा एवं छात्र-केंद्रित शिक्षण से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक रितू मल्होत्रा रही, जिन्होंने सीबीएसई के नवीन दिशा-निर्देशों, अनुभवात्मक अधिगम, समग्र मूल्यांकन, कक्षा प्रबंधन एवं 21वीं सदी के कौशलों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आज के समय में शिक्षकों को पारंपरिक शिक्षण के साथ-साथ नवाचार को अपनाना आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण एवं समूह चर्चा का भी आयोजन किया गया।

डायरेक्टर हुकम सिंह तंवर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि सीबीपी प्रशिक्षण से शिक्षकों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। प्राचार्य प्रदीप तंवर ने अतिथियों एवं प्रशिक्षक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सतीश मेहरा, पीआरटी हेड राकेश यादव, रामनिवास चौहान, राजेन्द्र शर्मा, बिरेन्द्र सिंह, मुकेश तंवर, मुकेश शर्मा, शीला शर्मा, रीना यादव उपस्थित रहीं।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी

नारनौल। संवेदनशील परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए सेवा संस्था के एक्सेस टू जस्टिस प्रोजेक्ट के सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत शर्मा व हेमंत सैनी ने शाहबाजपुर व मौसमपुर गांव में कैंप लगाया। जिसमें संवेदनशील परिवारों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उनकी जरूरत के विषय पर चर्चा की गई। जिसमें राशन कार्ड, लाडो लक्ष्मी, ओल्ड एज पेंशन, फैमिली आईडी आदि योजनाओं के बारे में बताया व गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया। सेवा संस्था के सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत शर्मा व हेमंत सैनी ने बताया कि आने वाले दिनों में गांव गांव में जाकर सेवा संस्था कैंप लगाएंगे और जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में हुई फ्रेशर पार्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज कुमार सेवानिवृत्त आईएएस मुख्य अतिथि थे। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का बेंचमार्क बताते हुए कहा कि संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक, खेल व आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने स्वर्ण पदक पर 11000 रुपये, रजत पदक पर 7100 तथा कांस्य पदक पर 5100 रुपये की राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित एआईयू कुश्ती प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्र विजय ने 79 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर छात्र विजय को 5100 की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। पेपर डांस प्रतियोगिता में बालक वर्ग से दीपक व आशीष तथा बालिका वर्ग में जीनत व विद्या विजेता रही। विद्या द्वारा प्रस्तुत स्टैंड अप कॉमेडी को दर्शकों ने खूब सराहा। अभिमन्यु पराशर ने सिंघानिया विश्वविद्यालय पर आधारित कविता पाठ किया।

दीपक व मनीष के गीतों ने कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान दुर्गेश, जीनत, दिव्या, विद्या, रितिका, मनीषा ने नृत्य प्रस्तुत किया। कैंपस निदेशक प्रो. पीएस जस्सल ने कहा कि संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मंच है। कुलसचिव आई हाशमी, शैक्षणिक निदेशक डॉ. एसके दुबे व वाइस चांसलर डॉ. पवन त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। मंच संचालन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी दुर्गेश व नवीन ने किया। श्रेष्ठ नवागंतुक का खिताब आदित्य को प्रदान किया गयाए, बकि श्रेष्ठ नवागंतुक छात्रा के रूप में जीनत को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्र का पुरस्कार आशीष तथा सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्रा का सम्मान अमीशा को मिला। वहीं श्रेष्ठ व्यक्तित्व छात्र का खिताब रजनीश ने अपने नाम किया व श्रेष्ठ व्यक्तित्व छात्रा के रूप में यशस्वी को सम्मानित किया गया।

नारनौल। सिंघानिया विवि में आयोजित फ्रेशर पार्टी में मौजूद विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

रोड सेफ्टी क्विज में आरपीएस का दबदबा

■ सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इंटर स्कूल रोड सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता में आरपीएस स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद, अब जोनल स्तर पर भी विद्यालय के छात्रों ने तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

हाल हीं में सहायक महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे, हरियाणा और नोडल अधिकारी यातायात के निर्देशानुसार जिला महेंद्रगढ़ में रोड सेफ्टी क्विज का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के लेवल-1 में आरपीएस स्कूल के हार्दिक कक्षा पांचवीं ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पराग सांगवान कक्षा चौथी ने द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला स्तर की इस जीत ने इन विद्यार्थियों के लिए जोनल प्रतियोगिता के द्वार खोले, जहां इन्होंने कड़े मुकाबले के बीच तीसरा स्थान सुरक्षित किया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि जीवन बचाने का संस्कार है।

हमारे विद्यार्थियों ने इस विषय में जो ज्ञान प्रदर्शित किया है, वह सराहनीय है। सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता बच्चों में नागरिक बोध और जिम्मेदारी की भावना पैदा करती हैं। हमें गर्व है कि हमारे छात्र शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता में भी अग्रणी हैं।

डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप हमेशा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जोनल स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करना यह दर्शाता है कि हमारे बच्चों की नींव बहुत मजबूत है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बच्चों की यह पकड़ भविष्य में एक सुरक्षित समाज की नींव रखेगी। हम इन होनहारों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। इस उपलब्धि पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को बधाई दी है।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 55 नागरिकों ने उठाया लाभ

कनीना। लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को सामाजिक संस्था सेवा भारती की ओर से आयोजित किए गए 94वें स्वास्थ्य जांच शिविर में 55 जरूरतमंद नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस शिविर में रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने सेवाएं दी। शिविर में हृदय रोग, नेत्र रोग, हड्डी एवं जोड रोग, स्त्री रोग, सामान्य रोगों का उपचार किया गया। शिविर में ईसीजी, बीपी व शुगर की जांच की कर परामर्श भी दिया गया। योगेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवकुमार गोयल, हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष वर्मा, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष व राकेश केसरी, प्रताप सिंह, करिश्मा यादव, पूनम, रेखा व कृष्ण कुमार की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। संस्था के संरक्षक शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि अब तक हजारों जरूरतमंद व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ ले चुके हैं। इस मौके पर सुरेश शर्मा, जगदीश गुप्ता, श्यामसुंदर, अमित, दिनेश कुमार, नवीन, रविदत्त उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में कक्षा पांचवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन परिचय दिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता को विकसित करना है। विद्यार्थियों ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, अभिभावकों और शिक्षकों का नाम रोशन किया।

कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों में वंशिका, मानसी, परी, लक्षयिता, शेखर, निशांत और पारस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कक्षा 10वीं से तनु, वेदांती, आकांक्षा, रिंकू, दिव्या, गुलशन, दिव्या, कनिष्का, दिया, नेहा, नीरू, मधु, आरती और वंशिका ने स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कक्षा 11वीं से दीक्षा, मुकुंद और दिविज ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कक्षा 12वीं से मानविक ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी कक्षा और विद्यालय दोनों को सम्मान दिलाया। विद्यालय सीईओ डॉ. निशा यादव एवं निदेशक राहुल यादव, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, उप-प्रधानाचार्य सुनील कुमार एवं पीजीटी हेड निशांत शर्मा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम

उत्साह, ऊर्जा एवं प्रेरणादायक वातावरण में मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्णः सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में राजकीय बीएड महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े उत्साह, ऊर्जा एवं प्रेरणादायक वातावरण में मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने शिरकत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विभिन्न एनजीओ तथा युवा क्लबों ने भागीदारी की। सीजेएम नीलम कुमारी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए युवाओं को अनुशासन, चरित्र निर्माण व सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा कुमारी ने की। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. नीलम कुमारी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर डिक्लेमेशन व लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें प्रतिभागी युवाओं ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक विरासत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. पंकज गौड़ ने किया।

नारनौल। खेल किट वितरित करती सीजीएम नीलम कुमारी व जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव। फोटो : हरिभूमि

माय भारत से जुड़ने का आग्रह किया

कार्यक्रम का समन्वय जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने किया। उन्होंने माय भारत की युवा केंद्रित योजनाओं और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया और युवाओं को गांव-गांव में यूथ क्लब बनाकर माय भारत से जुड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण खेल युवा क्लबों को खेल किट का वितरण रहा। जिससे युवाओं में खेल भावना, शारीरिक फिटनेस और टीम भावना को बढ़ावा मिला। इस मौके पर माय भारत के एमिनेंट पर्सन मंजीत यादव, धर्मपाल लेखाकार, सरपंच महेन्द्र सिंह, दारासिंह, युवा स्वयंसेवक विकास लाठर, हरीश शर्मा, अभिषेक, अशोक, कुनाल व हैप्पी आदि मौजूद थे।

रोटरी क्लब सिटी ने कंबल वितरित किए

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी एवं रोटरी क्लब बेलाज की ओर से सोमवार को रोटरी रसोई पर भोजन सेवा के साथ कंबल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार थे। अध्यक्षता संदीप संघी ने की। रोटरी रसोई पर मात्र 10 रुपये में भोजन की सुंदर सेवा देखकर रोटरी क्लब की ओर से चलाए जा रही इस मुहीम की प्रशंसा करते हुए कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के लिए प्रतिदिन मात्र 10 रुपये में इतने लंबे समय से निरंतर भोजन सेवा उपलब्ध करवाना रोटरी क्लब का सराहनीय कदम है। उन्होंने रोटरी क्लब की ओर से सर्दियों के मौसम को देखते हुए जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए। इस मौके पर राजकुमार चौधरी, एडवोकेट राजकुमार यादव, प्रवीण संघी, विजय, विनोद आदि मौजूद थे।

नकली हारपिक व कोलिन बेचने पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र में नामी कंपनी के नकली हारपिक और कोलिन बेचते हुए पकड़े जाने पर पुलिस केस दर्ज किया गया है। सेमिता लीगल कंपनी की ओर से शिकायत दी गई थी।

राजस्थान के अलवर निवासी निश्चय जैन ने पुलिस को दी शिकायत दी थी कि वह सेमिता लीगल कंपनी नोएडा में एडवोकेट के पद पर कार्यरत है। उसको रेकिट बेंकिसर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नकली उत्पाद बनाने व बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया है। वह कंपनी के फील्ड ऑफिसर मनोज वर्मा के साथ अटेली क्षेत्र में सर्वे पर थे। इसी दौरान विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि कनीना चौक अटेली के पास स्थित मां भगवती किराणा स्टोर पर हारपिक, कोलिन व अन्य उत्पादों के नकली सामान की बिक्री की जा रही है। सूचना को सही मानते हुए वह थाना अटेली गया और पुलिस को मामले से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस टीम के साथ संयुक्त रूप से दुकान पर रेड की गई। रेड के दौरान दुकान से 17 पीस टॉयलेट क्लीनर हार्पिक (500 मिली) और 3 नग ग्लास क्लीनर कोलिन (500 मिली) बरामद किए गए, जो जांच में नकली पाए गए। बरामद नकली उत्पादों में से एक-एक नमूना अलग कर शेष सामान को सील कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

खबर संक्षेप

सफाई कर्मियों की काम छोड़ हड़ताल जारी

नारनौल। नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने समान काम समान वेतन की बकाया एरियर की मांग को लेकर 7वें दिन भी काम छोड़ हड़ताल जारी रखी, लेकिन नगर प्रशासन व कर्मचारियों को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई। इस 7वें दिन धरने व आंदोलन की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रधान राहुल सारवान ने बताया कि जब तक हमारा वर्ष 2017 से 2023 तक का समान काम समान वेतन का बकाया एरियर कर्मचारियों के खाते में आएगा, तब तक हड़ताल खोली जाएगी अन्यथा जिला महेंद्रगढ़ में काम छोड़ हड़ताल जारी रहेगी। समस्त सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

सातवें दिन भी जारी रही हड़ताल

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर पिछले सात दिनों से हड़ताल पर बैठे हुए हैं। पुरानी नगर पालिका कार्यालय परिसर के बाहर धरने पर बैठेकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं सफाई कर्मचारियों की हड़ताल सात दिन से रहने से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। मकर संक्रांति से पहले शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। अब शहर कूड़ा कचरा जमा हो गया है। इसको लेकर दुकानदारों और आम लोगों में रोष है। गंदगी का ढ़ेर दुकान के सामने होने से दुकान पर काम करना पूरा दिन मुश्किल होता है।

नपा सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी

नांगल चौधरी। नपा प्रांगण में सफाई कर्मचारियों की छठे दिन भी काम छोड़ हड़ताल जारी रही। यूनियन के उप प्रधान विनोद कुमार की अगुवाई में कर्मियों ने जमकर सरकार विरोधी नारेबाजी की तथा प्रदेश व्यापी आंदोलन का अल्टीमेटम दिया। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने भी हड़ताल को समर्थन देते हुए रोष प्रदर्शन में शामिल होने का फैसला लिया है। कमल सिंह, सुनिल कुमार, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार, कुलदीप, संदीप कुमार, साहिल, किशनलाल ने बताया कि सरकार ने गांव व वार्ड स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया है।

व्यापार में वृद्धि, अन्न की अच्छी पैदावार, सुख-शांति व धार्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि के बनेंगे योग

14 जनवरी को मकर संक्रांति, दान पुण्य करना रहेगा विशेष फलदाई

इस वर्ष की मकर संक्रांति को मंदाकिनी नाम दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व बताया गया है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और अनुराधा नक्षत्र भी रहेगा। इन सभी शुभ योगों के कारण इस दिन किए गए स्नान, दान और व्रत का पुण्य सामान्य दिनों की तुलना में दोगुना माना गया है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि ज्योतिष में 12 संक्रांतियां होती है। जब सूर्य राशि परिवर्तन करता है तो उसे सक्रांति बोला जाता है और जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर अपने पुत्र की राशि मकर में प्रवेश करते है उस दिन मकर संक्रांति मनाई जाती है। 14 जनवरी को सूर्य देव दोपहर 3:07 बजे मकर में प्रवेश करेंगे। शाम 5:49 बजे तक पुण्यकाल रहेगा।

इस वर्ष की मकर संक्रांति को मंदाकिनी नाम दिया गया है। इस दिन सूर्य देव पीत वस्त्र धारण कर बाघ पर सवार होंगे, जबकि उनका उपवाहन घोड़ा रहेगा। उनकी दृष्टि ईशान दिशा की ओर होगी और वे पश्चिम दिशा में गमन करेंगे। सूर्य देव का अस्त्र गदा बताया गया है और वे भोग की अवस्था में होंगे। इससे व्यापार में वृद्धि, अन्न की अच्छी पैदावार, सुख-शांति और धार्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि के योग बनेंगे।

सूर्य कमजोर अवस्था में है, ये करें उपाय

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि जिनकी कुंडली में सूर्य का बल कम है या अशुभ है वो मकर संक्रांति के दिन सुबह स्नान के बाद एक तांबे के लोटे में शुद्ध जल से भर उसमें रोली, चावल, चीनी लाल पुष्प डालकर सूर्यदेव को ऊँ घृणी सूर्याय नमः मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्घ्य दें।

सूर्य होंगे उत्तरायण

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि सूर्य छह महीने दक्षिणायन और छह महीने सूर्य उत्तरायण रहते है। मकर संक्रांति वाले दिन सूर्य देव छह महीनों के लिए उत्तरायण हो जाते हैं। उत्तरायण को देवताओं का दिन भी कहा जाता है। उत्तरायण की अवधि देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन की अवधि रात्रि है। वैदिक काल में उत्तरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को पितृयान कहा जाता है। मकर संक्रान्ति के दिन यज्ञ में दिए गए द्रव्य को ग्रहण करने के लिए देवता पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। इसलिए धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन पुण्य, दान, जप तथा धार्मिक अनुष्ठानों का अत्यंत महत्व बताया है।

नदियों के स्नान और दान का विशेष महत्व

मकर संक्रांति वाले दिन पवित्र नदियों के जल करना चाहिए। इस दिन गुड़, तिल, कम्बल गर्म वस्त्रों का दान करना चाहिए। क्योंकि तिल का संबंध शनिदेव से है और इसका दान शनिदोष को कम करता है। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में एक माह के लिए प्रवेश करते हैं, जिससे शनि का अशुभ प्रभाव कम हो जाता है। काले तिल का दान न केवल शनिदोष से मुक्ति दिलाता है, बल्कि सूर्यदेव की कृपा भी प्राप्त होती है। मान्यता ये भी है की इस दिन किए हुए दान का अनन्त गुणा फल मिलता है।

मलमास हटने के बाद भी नहीं होंगे शुभ कार्य

जब भी खरमास खत्म होता है, उस दिन से शुभ कार्यों की शुरूआत हो जाती है, परंतु अबकी बार ऐसा नहीं होगा, क्योंकि शुक्र अस्त चल रहे है। जिनका किसी भी कार्यों में उदय होना बहुत जरूरी है। चार फरवरी को शुक्र उदय होंगे उसके बाद ही फिर से मांगलिक कार्य का प्रारंभ होगा।

पुलिस व नपा की उदासीनता के चलते नहीं हो पा रहा समस्या का समाधान

पार्किंग होने के बावजूद भी सड़क पर खड़ा कर देते हैं वाहन, परेशानी

- लगातार जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है शहरवासियों को
- पुलिस व नगर पालिका की उदासीनता के चलते नहीं हो पा रहा समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका की ओर शहर में तीन अस्थाई पार्किंग सुविधा होने के बावजूद भी वाहन मुख्य बाजारों और प्रमुख सड़कों के किनारे खड़े रहते हैं। इसके कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। इस स्थिति के कारण शहरवासियों को लगातार जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है, लेकिन पुलिस व नगर पालिका की उदासीनता के चलते समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। टीम ने गोशाला रोड से पड़ताल की शुरुआत की। इस दौरान यहां पर सड़क के दोनों तरफ 15 दो पहिया वाहन व 10 चारपहिया वाहन खड़े मिले। इसके बाद मसानी चौक से बालाजी चौक तक 300 मीटर की दूरी पर सड़क के दोनों तरफ 80 दुपहिया वाहन व 25 चार पहिया वाहन खड़े मिले।

इसी तरह बालाजी चौक से शंकर मार्केट के 200 मीटर सड़क मार्ग पर एक तरफ 60 दुपहिया वाहन व 15 चारपहिया वाहन खड़े मिले जबकि दूसरी तरफ 30 दुपहिया वाहन खड़े मिले। शॉपिंग कांप्लेक्स में 50 से अधिक दो पहिया वाहन खड़े मिले। इसके साथ ही विश्वकर्मा चौक से डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक तक 150 मीटर सड़क मार्ग पर 40 से अधिक चारपहिया वाहन पाए गए। सड़क के दोनों ओर खड़े दुपहिया और चारपहिया वाहन यातायात को बाधित कर रहे हैं।

महेन्द्रगढ़। आंबेडकर चौक पर खड़ी गाड़ियां। फोटो : हरिभूमि

करवाई जाएगी मुनादी

शहर की सड़क किनारे खड़े वाहनों को पार्किंग खड़ा करने के लिए नगर पालिका की ओर से मुनादी करवाई जाएगी। इसके अलावा पुलिस प्रशासन का सहयोग लेकर चालान करवाया जाएगा। आमजन को भी वाहन सड़क के किनारे खड़ा करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

-रमेश सैनी, प्रधान, नपा महेंद्रगढ़

पड़ रहा आमजन पर सीधा असर

इसका सीधा असर आम नागरिकों, व्यापारियों, स्कूली वाहनों पर पड़ रहा है। नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए सख्ती दिखाई है। दुकानों के बाहर लगे टीन शेड, ठेले और अस्थायी कब्जों को हटाने के लिए अभियान चलाया गया, लेकिन वाहनों के कारण पैदा हो रही समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हालात ये हैं कि पुलिस के कुछ वाहनों चालान किए जाते हैं। इससे यातायात की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो रहा है। नगर पालिका ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में तीन अस्थाई पार्किंग स्थल बनाए गए है। इसके बावजूद वाहन चालक वाहनों को सड़कों के किनारे खड़े कर रहे हैं।

यह बोले शहरवासी

शहरवासी दिनेश चंद्र, राजेंद्र, दीपक, राजेश, सोहन, विक्की ने बताया कि नगर पालिका की ओर से पार्किंग बनाई हुई है, लेकिन आमजन अपने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रहे है। इसके कारण जाम के हालात बन जाता है। इसके कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपने वाहनों को दुकानों के सामने खड़ा कर गायब हो जाते है और उसके बाद एक-दो घंटे बाद आते है। इससे राहगीरों व वाहन चालकों को निकलने के लिए जगह नहीं मिलती और दुर्घटना का अंदेशा रहता है। नगर पालिका को अतिक्रमण हटाने के साथ वाहनों की तरफ भी ध्यान देना चाहिए। नपा की ओर मुनादी करवाकर वाहनों को पार्किंग के अंदर खड़ा करने के आदेश जारी किए, ताकि अन्य चालकों को राहत मिले। सिनेमा रोड पर अपने वाहन रोड कि किनारे खड़ा करके बैंकों में चले जाते है। दो घंटे बाद आते हैं। यातायात पुलिस की ओर से इन वाहनों को पार्किंग खड़ा करवाना चाहिए ताकि जाम की स्थिति न बन सके।

खेल ही जीवन की असली पाठशाला: एसडीएम

महेंद्रगढ़। ग्रामीणों को संबोधित करती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो : हरिभूमि

- एसडीएम कनिका गोयल ने पाली गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

खिलाड़ियों में ऊर्जा, अनुशासन और टीम भावना होना ही उनकी खेल भावना को दर्शाता है। यह बात एसडीएम कनिका गोयल ने सोमवार को पाली गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर में बतौर मुख्य अतिथि बोलते समय कही। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि कोई भी खेल सिर्फ एक खेल नहीं होता, यह जीवन की पाठशाला है।

यह हमें सिखाता है कि कैसे जीत का जश्न मनाना है और हार को सहजता से स्वीकार करना है। मैं युवाओं से कहना चाहूंगी कि अपनी इस अपार ऊर्जा और प्रतिभा को खेल और रचनात्मक कार्यों में लगाएं। नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहें और स्वस्थ, सशक्त भारत का निर्माण करें।

याद रखें, आप ही हमारे देश का भविष्य हैं और आपके हाथ में ही देश को आगे ले जाने की शक्ति है। एसडीएम ने कहा कि खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं, टीमवर्क सिखाते हैं और हमें जीवन के हर क्षेत्र के लिए तैयार करते हैं। यह सिर्फ ट्रॉफी जीतने की बात नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का हौसला है। इस अवसर पर गांव के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

समाधान शिविरों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गाइडलाइन जारी

नारनौल। नागरिकों की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

- समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुरूप उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में 60 नागरिकों की समस्याएं सुनी। डीसी ने स्पष्ट किया कि शिविरों का मुख्य उद्देश्य आम जनता की रोजमर्रा की परेशानियों को बिना देरी के दूर करना है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रही। उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविरों को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अब पोर्टल पर केवल वही शिकायतें दर्ज की जाएंगी, जिनका स्थानीय स्तर पर सीधा समाधान संभव है। इससे प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी और पात्र व्यक्तियों को लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। सरकार व प्रशासन का लक्ष्य है कि नागरिक को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

इन छह शिकायतों को पोर्टल से बाहर रखने का निर्णय

- *बड़े विकास कार्य:* ऐसे कार्य जिनके लिए मुख्यालय स्तर पर प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
- *स्थानांतरण अनुरोध:* सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण से संबंधित कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- *आरटीआई:* सूचना के अधिकार के तहत आने वाले आवेदनों को इन शिविरों में नहीं लिया जाएगा।
- *नौकरी की मांग:* रोजगार या नौकरियों की सामान्य मांगों से संबंधित शिकायतों पर विचार नहीं होगा।
- *सेवा मामले:* सरकारी कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।
- *सुझाव:* किसी भी प्रकार के सामान्य सुझावों को पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जाएगा।

चोरी की बढ़ती घटनाओं से किसान चिंतित

कनीना। एक तरफ प्रदेश एवं केंद्र सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर अज्ञात चोर किसानों के कृषि चोरी करने में जुटे हुए हैं। एक ही स्थान से कई बार चोरी होने से किसान चिंतित हैं। बीते दिनों उच्चत गांव के करीब आधा दर्जनभर किसानों के खेतों से करीब 25 एल्युमीनियम पाइप चोरी हुए थे। अब कनीना के वार्ड 3 निवासी किसान महिपाल के खेत से अज्ञात चोर एल्युमीनियम की टी, बैंड आदि चोरी कर ले गए। महिपाल ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि करीरा नहर के समीप खेत में उसने गेहूं की बिजाई की हुई है। आठ जनवरी को वह फसल सिंचाई के लिए फव्वारा लाइन लगाकर आया था। अगले दिन सुबह 10 बजे जाकर देखा तो पाइप लाइन से टी, बैंड व गिलासी गायब मिले। दूसरी ओर गुढ़ा बस स्टैंड से अज्ञात चोर बाइक चोरी कर ले गए। इस बारे में रसूलपुर निवासी श्यामलाल ने पुलिस को बताया कि गुढ़ा बस स्टैंड पर बाइक खड़ी कर कही गया था। रात्रि के समय आकर देखा तो बाइक वहां से गायब मिली।

महेंद्रगढ़। लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यादव धर्मशाला में लाल बहादुर शास्त्री को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यादव धर्मशाला में लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके याद किया। संस्था कन्वीनर डॉ. राजबीर यादव ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लाल बहादुर शास्त्री 2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966 भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 1964 से 1966 तक लगभग 18 महीने देश का नेतृत्व किया। वह अपनी सादगी, दृढ़ संकल्प और जय जवान जय किसान के नारे के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में देश का नेतृत्व किया और ताशकंद में एक समझौते के बाद रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया। उन्हें मरणोपरांत भारतरत्न से सम्मानित किया गया। इस पूर्व प्रधान अभयराम, रामस्वरूप बोहरा, संजय राव रिवासा, जगदीश प्रसाद, लालचंद, संतोष कुमार, नाथाराम नम्बरदार व रामसिंह मौजूद रहे।

सेवा भारती शाखा की बैठक में सेवा कार्यों पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सेवा भारती शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन श्री सीताराम मंदिर महावीर मार्ग स्थित प्रांगण में किया गया। बैठक संरक्षक जयप्रकाश सर्राफ एवं प्रधान अशोक सिंघल की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सेवा भारती की ओर से संचालित मोहल्ला कोलियान स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने भविष्य में किसी अन्य सेवा बस्ती में भी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। जिससे जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

बैठक को संबोधित करते हुए सचिव डॉ. शिवकुमार ने फरवरी माह में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय छात्रावास परीक्षा में अधिक से अधिक सेवा बस्तियों के विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों के शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी। जिला कार्यकारिणी सदस्य अश्विनी कटारिया ने प्रत्येक सेवा बस्ती में सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों को सशक्त करने के उद्देश्य से मासिक सुंदरकांड पाठ आयोजित करने का सुझाव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने सराहा। सेवा भारती के वरिष्ठ सदस्य अशोक सैनी व स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ. दीपक शेरावत ने सेवा बस्तियों में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाने, स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया।

नारनौल। बैठक करते शाखा पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

साफ-सफाई

अबकी बार नहर 20 जनवरी से जिले में आने की उम्मीद

पानी के तेजी से बहाव के लिए नहरों की छंटाई करवा रहा विभाग

सिलारपुर, श्यामपुरा एवं खेड़ी माइनर के अलावा दताल गांव की नहर में भी करवाई जा रही गाद की छंटाई

- नहर आने से पहले सिंचाई एवं नहर विभाग ने गांवों को चिह्नित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किसानों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नहर विभाग इनकी गाद छंटवाने में लगा है। अबकी बार नहर 20 जनवरी से जिले में आने की उम्मीद है और उससे पहले ही नहरों की सफाई करवाई जा रही है। जिन नहरों की सफाई करवाई जा रही है, उनमें अटेली क्षेत्र के गांव सिलारपुर, श्यामपुरा एवं खेड़ी माइनर शामिल हैं, जबकि नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दताल में नवलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जुड़ी नहर की सफाई करवाई जा रही है।

नारनौल। नहर में सफाई करते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

जानकारी के अनुसार इन गांवों की नहरों में कुछ गाद बनी हुई थी, जबकि ये नहरे सीमेंट वाली पक्की बनाई जा चुकी हैं। पक्की नहरें होने के बावजूद गाद के कारण इनमें पानी का बहाव तेजी नहीं पकड़ पाता था और अंतिम टेल तक समय पर नहरी पानी पहुंचाने में परेशानी आड़े आ रही थी।

इस कारण अंतिम टेल तक समय पर पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाने से किसान भी नाराज थे और खेत खाली रहने से उनमें निराशा के भाव भी उभर रहे थे। इसी कारण अबकी बार नहर आने से पहले सिंचाई एवं नहर विभाग ने गांवों को चिह्नित किया तथा नहरों की सफाई करवाने का निर्णय लिया।

यह बोले एसडीओ

एसडीओ राजेश वर्मा ने बताया कि पहले नहरें ईंटों से बनी हुई थी और जब पानी चलता था, तब पहले ईंट एवं मिट्टी पानी सौख लेती थी, जिससे नुकसान होता था। इस कारण नहरों को सीमेंट वाली पक्की बनाई गई, जिस कारण पानी तेजी से चलने लगा है। अब सीमेंट वाली पक्की नहरों में कुछ गाद बन गई थी, जिससे भी कुछ दिक्कत उत्पन्न हुई। इसी कारण अब उस गाद को भी छंटवाया जा रहा है, ताकि नहरी पानी तेजी से चल सके और अंतिम टेल तक समय पर पहुंच सके।

सैनी क्षत्रिय सभा की आम बैठक 14 जनवरी को

महेंद्रगढ़। सैनी क्षत्रीय सभा द्वारा आगामी 14 जनवरी को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर विशाल आमसभा का आयोजन किया जाएगा। यह बैठक सभा के नवनियुक्त प्रधान सुरेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना और सामाजिक उत्थान के कार्यों को गति देना है। इस अवसर पर सभी की मंगल कामना को लेकर हवन का आयोजन भी किया जाएगा। सभा के सचिव होशियार सिंह सैनी ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन विशेष है। अनावरण कार्यक्रम समाज के गणमान्य व्यक्तियों कंवल सिंह सैनी, रामबिलास सैनी, शेरसिंह सैनी, सुन्दर सिंह सैनी, लालचन्द सैनी, महेन्द्र सिंह सैनी, रघुबीर सैनी के कर-कमलों द्वारा संपन्न होगा।